

GYANANDA SCHOOL FOR GIRLS

SESSION 2020-21

TOPIC- लाख की चूड़ियाँ

दिनांक – 27.04.2020

PDF LINK OF THE BOOK - <http://ncert.nic.in/textbook/textbook.htm>

**DATE OF SUBMISSION:** WEDNES**DAY,** 29**th APRIL, 2020(BY 4.00 P.M)**

प्रिय छात्राओं

निम्न कार्य पत्रिका करने के लिए आपको पाठ से संबन्धित पठन सामग्री दी जा रही है | आपको साहित्य के साथ- साथ भाषा की भी कार्य-पत्रिका दी जा रही है |पाठ अधिक विस्तृत है इसलिए पाठ का कुछ अंश नीचे दिया जा रहा है | अगली कार्य पत्रिका में इससे से आगे के पाठ का अंश आएगा | काले रंग में पाठ की पंक्तियाँ है एवं लाल रंग में आपकी सुविधा के लिए उन पंक्तियों की व्याख्या (explanation) भी दी गई है |पाठ को पढ़कर आप कार्य पत्रिका को हल करेंगे| यदि कोई भी कठिनाई आए तो आप नीचे दी गई ई-मेल पर संपर्क कर सकते हैं|

Email id : [vidushichandra@gmail.com](mailto:vidushichandra@gmail.com)

आप नीचे लिए गए लिंक को भी देख सकते हैं -

<https://youtu.be/iU20K59c9GY>

<https://youtu.be/4Lv3aOqKnY4>

ALL THE CONTENT REQUIRED FOR YOU TO ANSWER THIS

WORKSHEET IS AVAILABLE AND MENTIONED HERE. YOU DO NOT NEED ANY BOOK .

(लाख की चूड़ियाँ- आगे का पाठ)

लाख की चूड़ियाँ पाठ  व्याख्या और शब्द अर्थ –



बदलू मनिहार था। चूड़ियाँ बनाना उसका पैतृक पेशा था और वास्तव में वह बहुत ही सुंदर चूड़ियाँ बनाता था। उसकी बनाई हुई चूड़ियों की खपत भी बहुत थी।

मनिहार– चूड़ी बनाने वाला

पैतृक – पिता सम्बन्धी

वास्तव – हकीकत

खपत – बिक्री

व्याख्या-जो चूड़ियाँ बनाता है उसे मनिहार कहा जाता है, जैसे बदलू मामा का काम था – चूड़ी बनाना। पैतृक यानि पिता सम्बन्धी अर्थात् जो बदलू मामा के पिता थे या दादा थे वह भी चूड़ियाँ ही बनाने का काम करते थे; यह उनका रोजी-रोटी कमाने का तरीका था। वह बहुत ही सुंदर-सुंदर चूड़ियाँ बनाता था। बदलू अपने काम में बहुत ही निपूंण था। उसके द्वारा बनाई गई चूड़ियों की बिक्री भी बहुत होती थी। लोग उससे बहुत सारी चूड़ियाँ खरीदते थे क्योंकि वह चूड़ियाँ बहुत ही मजबूत और सुंदर बनाता था।

उस गाँव में तो सभी स्त्रियाँ उसकी बनाई हुई चूड़ियाँ पहनती ही थी आस-पास के गाँवों के लोग भी उससे चूड़ियाँ ले जाते थे। परंतु वह कभी भी चूड़ियों को पैसों से बेचता न था। उसका अभी तक वस्तु-विनिमय का तरीका था और लोग अनाज के बदले उससे चूड़ियाँ ले जाते थे।

वस्तु-विनिमय – वस्तु के बदले वस्तु

व्याख्या-सभी स्त्रियाँ उसकी बनाई हुई चूड़ियाँ पहनती थी और आस-पास के गाँव के लोग भी उससे चूड़ियाँ ले जाते थे । उसका काम ही इतना अच्छा था कि उसके गाँव के अलावा दूसरे गाँव के लोग भी चूड़ियाँ खरीद कर ले जाते थे। परन्तु वह कभी भी चूड़ियाँ पैसों  से नहीं बेचता था । उसका तो सीधा हिसाब था कि वस्तु के बदले वस्तु लेना अर्थात् जैसा कि पुराने समय में हुआ करता था कि अगर हमें अनाज लेना है तो उसके बदले हमारे पास जो भी चीज़ उपलब्ध है वो देकर हम अपनी मन पसंद चीज़ खरीद सकते थे। और लोग अनाज के बदले उससे चूड़ियाँ ले जाते थे। कहने का अर्थ यह है कि पैसों के बदले अनाज ले लिया जाता था।

बदलू स्वभाव से बहुत सीधा था। मैंने कभी भी उसे किसी से झगड़ते नहीं देखा। हाँ, शादी-विवाह के अवसरों पर वह अवश्य जिद़ पकड़ जाता था। जीवन भर चाहे कोई उससे मुफ्त चूड़ियाँ ले जाए परंतु विवाह के अवसर पर वह सारी कसर निकाल लेता था। आखिर सुहाग के जोड़े का महत्त्व ही और होता है।

विवाह – शादी

कसर – कमी

व्याख्या-बदलू का स्वभाव नम और भोला भाला था। न वह किसी से ज्यादा बात करता और न ही कभी किसी से लड़ता-झड़ता था। उसे ज़रा सा भी गुस्सा नहीं आता था सारा दिन अपने काम में जो लगा रहता था। हाँ शादी-विवाह के समय में अवश्य जिद् किया करता था। क्योंकि यही एक अवसर हुआ करता था जो कि वः अपनी चूड़ियाँ बेच कर अच्छा कमा सकता था। अर्थात् मनचाहा  वेतन ले सकता था।

मुझे याद है, मेरे मामा के यहाँ किसी लड़की के विवाह पर जरा-सी किसी बात पर बिगड़ गया था और फिर उसको मनाने में लोहे लग गए थे। विवाह में इसी जोड़े का मूल्य इतना बढ़ जाता था कि उसके लिए उसकी घरवाली को सारे वस्त्र मिलते, ढेरों अनाज मिलता, उसको अपने लिए पगड़ी मिलती और रुपये जो मिलते सो अलग।

घरवाली – पत्नि

ढेरों – बहुत सारा

पगड़ी – पग

लोहे लगना  – मुश्किल होना

व्याख्या-एक बार की बात है लेखक को याद आया कि बदलू मामा किसी लड़की के विवाह पर छोटी सी बात पर नाराज़ हो गया, बिगड़ गया। और उसे मनाना बहुत मुश्किल हो  गया था। विवाह में इसी जोड़े का मूल्य इतना बढ़ जाता था कि उसके लिए उसकी पत्नि को सारे वस्त्र मिलते, अर्थात् बदलू मामा की पत्नि को भी वस्त्र मिल जाते थे जब किसी का विवाह होता था । उस विवाह पर बदलू के द्वारा बनाई गई चूड़ियाँ इस्तेमाल कि जाती थी तो घर के सभी सदस्यों के लिए कुछ न कुछ भेंट स्वरूप मिल जाता था। बहुत सारा अनाज मिल जाता था जिससे घर का गुज़ारा अच्छे से हो जाता था  । उसको अपने लिए पगड़ी मिल जाती थी, (पगड़ी का अर्थ है पग जो सिर पर बँधाते है ) और जो रूपये मिलते वो अलग से। कुछ लोग भेंट स्वरूप उसे रूपये दे देते थे जोकि एक अच्छा मौका था अच्छी खासी आमदनी कमाने का । उससे उसका पूरे साल का खर्चा चल जाता था।



यदि संसार में बदलू को किसी बात से चिढ़ थी तो वह थी काँच की चूड़ियाँ से। यदि किसी भी स्त्री के हाथों में उसे काँच की चूड़ियाँ दिख जातीं तो वह अंदर-ही-अंदर कुढ़ उठता और कभी-कभी तो दो-चार बातें भी सुना देता।

अंदर-ही-अंदर कुढ़ – मन ही मन दुखी होना

व्याख्या- उसे काँच की चूड़ियाँ जरा सी भी पसन्द नहीं थी क्योंकि वह लाख की चूड़ियाँ बनाता था। काँच की चूड़ियाँ लोगों को पसंद आने लगी थी क्योंकि गाँव में भी शहरीकरण हो गया था। नए नए उद्योग शुरू हो गए थे मशीनों से चीज़ें बनाई जाने लगी थी। जोकि लोगों को पसंद आती थी। इस कारण उसका काम धंधा थोड़ा धीमा पड़ गया था और उसे काँच की चूड़ियाँ पसंद नहीं थी। अगर वह किसी भी स्त्री के हाथों में काँच की चूड़ियाँ देख लेता तो मन ही मन दुखी हो जाता था। और कभी कभी तो दो चार बातें भी सुना देता।

चूड़ियाँ

मुझसे तो वह घंटों बातें किया करता। कभी मेरी पढा़ई के बारे में पूछता, कभी मेरे घर के बारे में और कभी यों ही शहर के जीवन के बारे में। मैं उससे कहता कि शहर में सब काँच की चूड़ियाँ पहनते हैं तो वह उत्तर देता, शहर की बात और है, लला! वहाँ तो सभी कुछ होता है।



GYANANDA SCHOOL FOR GIRLS

SESSION 2020-21

TOPIC- लाख की चूड़ियाँ

प्रकरण – प्रश्न-उत्तर/ पद यांश

NAME: \_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_

CODE: GYA/H- lit/20-21/VIII/02/01

1. अति लघु प्रश्न -उत्तर
2. बदलू के मकान के सामने किसका पेड़ था?

उत्तर - |

2- बदलू एक दिन में कितने जोड़े चूड़ियाँ बना लेता था ?

उत्तर - |

1. बदलू कहाँ बैठकर चूड़ियाँ बनाता था?

उत्तर - |

1. बदलू कौन था? उसकी आजीविका का क्या साधन था?

उत्तर - |

II) लघु प्रश्न -उत्तर

1. लेखक कामनाथ जी का जीवन परिचय लिखिए?

उत्तर - \_\_\_\_\_ \_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_ |

1. बचपन में लेखक अपने मामा के गाँव चाव से क्यों जाता था और बदलू को ‘बदलू मामा’ न कहकर ‘बदलू काका’ क्यों कहता था?

उत्तर -

|

3. बदलू द्वारा लाख की चूड़ियाँ बनाने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए ?

उत्तर -

|

1. निम्नलिखित गदयांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

“सारे गाँव में बदलू मुझे सबसे अच्छा आदमी लगता था क्योंकि वह मुझे सुंदर-सुंदर लाख की गोलियाँ बनाकर देता था। मुझे अपने मामा के गाँव जाने का सबसे बड़ा चाव  यही था कि जब मैं वहाँ से लौटता था तो मेरे पास ढेर सारी गोलियाँ होतीं, रंग-बिरंगी गोलियाँ जो किसी भी बच्चे का मन मोह लें”

वैसे तो मेरे मामा के गाँव का होने के कारण मुझे बदलू को ‘बदलू मामा’ कहना चाहिए था परंतु मैं उसे ‘बदलू मामा’ न कहकर ‘बदलू काका’ कहा करता था जैसा कि गाँव के सभी बच्चे उसे कहा करते थे।

1. पाठ के लेखक का नाम बताइए ?

उत्तर -

1. बदलू कौन था ?

उत्तर-

3. लेखक बदलू को ‘बदलू काका’ क्यों कहता है?

उत्तर -

4. बदलू कहाँ का रहने वाला था?

उत्तर-

IV) निम्नलिखित शब्दों के वाक्य बनाकर लिखिए –

नव वधू - \_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_|

चोखट - \_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_|

वृक्ष - \_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_|

सहन - \_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_|



ज्ञानन्दा स्कूल फॉर गर्ल्स

SESSION 2020-21

**TOPIC**- पर्यायवाची शब्द

दिनांक – 24.04.2020

प्रिय छात्राओं –

आपको साहित्य के साथ- साथ भाषा की भी कार्य-पत्रिका दी जा रही है , कार्यपत्रिका को हल करने के लिए आपको पर्यायवाची के शब्द भी दिये गए हैं | कृपया सभी शब्दों को स्मरण करके ही कार्य- पत्रिका को हल करें |

पर्यायवाची शब्द

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 1 | अनुचर- | नौकर , दास , सेवक , परिचारक। |
| 2 | आभूषण- | विभूषण , भूषण , गहना , अलंकार। |
| 3 | असुर- | दैत्य, दानव, राक्षस, निशाचर, रजनीचर, दनुज। |
| 4 | उन्नति- | प्रगति , विकास , उत्कर्ष , अभ्युदय , उत्थान , वृद्धि। |
| 5 | कृषक- | हलवाहा , किसान , कृषिजीवी , खेतिहर। |
| 6 | ग्रीष्म- | ताप , घाम , निदाघ , गर्मी . |
| 7 | तलवार- | असि,करवाल ,कृपाण,खडग ,शायक,चंद्रहास . |
| 8 | देवता- | सुर, देव, अमर , वसु , आदित्य , लेख । |
| 9 | नदी- | सरिता , तटीना , सरि, सारंग , जयमाला । |
| 10 | नाव- | नौका ,बेडा , तरणी,जलयान ,जलवाहन. |
| 11 | पवन- | वायु , हवा, समीर , वात , मारुत , अनिल, पवमान । |
| 12 | पुत्र- | बेटा , आत्मज, वत्स , तनुज , तनय, नंदन । |
| 13 | पुत्री- | बेटी, आत्मजा , तनूजा, सुता , तनया । |
| 14 | पुष्प- | फूल , सुमन , कुसुम , मंजरी , प्रसून । |
| 15 | मछली- | मीन ,मतस्य ,झष ,जलचरी . |
| 16 | बिजली- | घनप्रिया , इन्द्र्वज्र, चपला , दामिनी , ताडित, विद्युत । |
| 17 | मृत्यु- | देहांत ,मौत , अंत ,स्वर्गवास ,मरण . |
| 18 | कोयल- | कोकिला, पिक, काकपाली, बसंतदूत, सारिका, कुहुकिनी, वनप्रिया |



**ज्ञानन्दा स्कूल फॉर गर्ल्स**

**SESSION 2020-21**

**विषय –** पर्यायवाची शब्द

**नाम : \_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_**

**CODE: GYA/H-Lang/20-21/VIII/03/01**

I) निम्नलिखित पर्यायवाची शब्द के दो-दो अर्थ लिखिए -

1) बिजली - --------------------- ,-----------------------

2) कोयल - --------------------- ,-----------------------

3) देवता - --------------------- ,-----------------------

4) पुष्प - --------------------- ,-----------------------

5) मछ्ली - --------------------- ,-----------------------

6) **नदी**  - --------------------- ,-----------------------

7) पवन - --------------------- ,-----------------------

8) पुत्री - --------------------- ,-----------------------

9) मृत्यु - --------------------- ,-----------------------

10) ग्रीष्म - --------------------- ,-----------------------